ॐ द्यौः शान्ति

शान्ति मन्त्र 'ॐ द्यौः शान्ति' विश्व-शान्ति के लिए की जाने वाली वह प्रार्थना है जिसका उल्लेख यजुर्वेद में मिलता है। श्रीगुरुमाई के जन्मदिवस सत्संग २०१९ के दौरान, विश्व-शान्ति हेतु आशीर्वाद अर्पित करने के एक भाग के रूप में इस मन्त्र का पाठ किया गया था।

इस शान्ति मन्त्र में यह समझ निहित है कि बाह्य जगत की शान्ति और हमारे अपने अन्दर की शान्ति, एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं; दोनों एक-दूसरे को सम्बल प्रदान करती हैं। जब हम 'ॐ द्यौः शान्ति' के पवित्र वर्णों का पाठ करते हैं तो हम अपने इस सद्भावपूर्ण संकल्प को स्वर प्रदान करते हैं कि समस्त सृष्टि में शान्ति व्याप्त हो और साथ-ही यह प्रार्थना भी करते हैं कि हम अपने अन्तर में इसी शान्ति की अनुभूति करें।

अंग्रेज़ी पृष्ठ पर दी गई 'ॐ द्यौः शान्ति' की ऑडिओ रिकॉर्डिंग, श्री सन्तोष मुदगल द्वारा गाई गई है। वे एक ब्राह्मण पुजारी हैं जिन्होंने गुरुदेव सिद्धपीठ और श्री मुक्तानन्द आश्रम में कई पवित्र अनुष्ठान किए हैं। सन्तोष भाऊ के साथ इसका पाठ करके व इसे सुनकर, आप शान्ति के लिए यह प्रार्थना कर सकते हैं। ऐसा करते समय, ध्यान दें कि आपके मन और आपके आस-पास के वातावरण पर इस मन्त्र के स्पन्दनों का क्या प्रभाव हो रहा है।

ॐ। द्युलोक [स्वर्गलोक] में व सम्पूर्ण अन्तरिक्ष में शान्ति प्रसरित हो।

समस्त पृथ्वी पर शान्ति परिव्याप्त हो तथा समस्त जलाशयों में शान्ति व्याप्त हो।

समस्त औषधियों और वनस्पतियों में शान्ति जगमगाए।

समस्त देवी-देवताओं को शान्ति प्राप्त हो।

परब्रह्म में शान्ति हो।

सर्वत्र तथा सदैव शान्ति हो — शान्ति, अन्य कुछ नहीं, केवल शान्ति।

हमारे अन्तर में शान्ति की वृद्धि हो।

ॐ। शान्तिः शान्तिः शान्तिः।

भाषान्तर © २०१९ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

© २०१९ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।